

पद ६२

(राग: यमन जिल्हा - ताल: पंजाबी)

सियां देखी हिया हारक रघुवीर ठैरत ठैरत जद निकसी मधुर मधुर
पैंजनियां बाजे । राजीवनयना बिजलीसी ॥ध्रु. ॥ मुखकी सोभा
कोटि ससि सम । नथकी झुमकी सतकबीसी । अधर आरक्त
प्रवालवल्ली जूँ दंत कुंदकी कलि जैसी ॥१॥ गले हार मोतियनका
झलके कुच गुच्छ जुगुलपर जो बासी । मनोहर माणिकदास कहे
सुन जगन्माता जानकि ऐसी ॥२॥